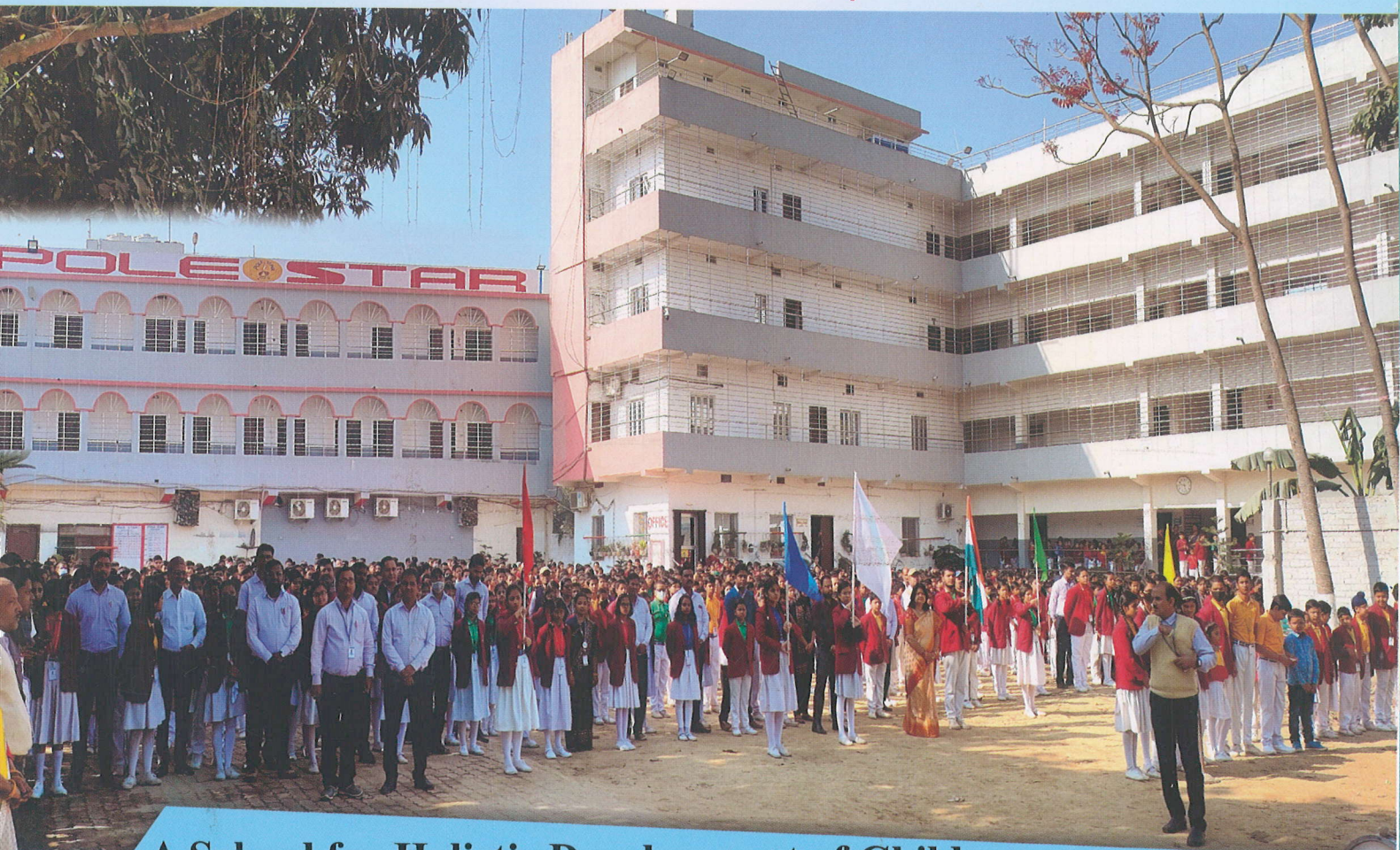


# POLE STAR

## DAY/BOARDING PUBLIC SCHOOL

Affiliated to CBSE (New Delhi) Up to +2 level  
(Affiliation No. 330199)



A School for Holistic Development of Children

PROSPECTUS



# अभिभावकों से संवाद



मैंने शुरू से ही यह अनुभव किया है और सारे शिक्षाविद्, प्राचीन और आधुनिक सबों का भी यह मानना है कि शिक्षक और विद्यालय के अतिरिक्त अभिभावकों, माता-पिता का भी योगदान बच्चों के विकास में काफी महत्वपूर्ण है। जो बच्चे घर से आ जाकर पढ़ते हैं, उनके लिए तो और ज्यादा है। क्योंकि विद्यालय के बाद वे कहाँ जाते हैं, किन-किन एवं कैसे-कैसे लोगों से उनका मिलना जुलना होता है, उनके दोस्त कौन से कैसे लोग हैं? रोज आन-जाने वाले बच्चे 5 से 6 घंटा ही विद्यालय की प्रक्रिया में होते हैं, शेष समय तो वे अभिभावकों के साथ एवं अपने मित्रों के साथ होते हैं ऐसा देखा गया है कि माँ-बाप की ममता एवं लापरवाही से बच्चों की संगते बुरे होने पर भी वे ध्यान नहीं देते हैं और जब पानी सर से ऊपर जाने लगता है तो त्राहिमाम करने लगते हैं। बच्चों को 5 वर्ष से 16 वर्ष तक का समय बहुत नाजुक होता है। 5 से 10 वर्ष तक तो प्यार दुलार से संभाला जा सकता है। मगर उसके बाद उनपर विशेष निगरानी एवं उन्हें सुझाव देकर, समझाबुझाकर, भविष्य की संभावनाओं की अच्छाई-बुराई बताकर उन्हें संभाला जा सकता है। अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं तो समझिये कि आपने उनको सही दिशा में ले जाने के लिए कुछ भी नहीं किया और इन 12 वर्षों की कीमत जिंदगी भर पछतावे के साथ गुजारनी होगी बच्चे अपने माता-पिता और शिक्षक को बड़े ध्यान से आंकते हैं। और उन्हें ही अपने आदर्श के रूप में देखते हैं और वैसा ही बनना भी चाहते हैं। इसलिए माता-पिता एवं शिक्षकों को अपने आचरण से भी उन्हें प्रेरित करना होता है। ऐसा नहीं कि आप झूठ बोलें, कोई गलत काम करें और उन्हीं कामों के लिए बच्चों को मना करें, तो उसका प्रभाव क्या पड़ेगा? जरा सोचिए वे कैसे आपके उन आदर्शों निर्देशों को मानेंगे? साथ ही समय समय पर स्कूल में बच्चों के शिक्षकों से मिलकर उनके निर्देशों के अनुसार बच्चों का ध्यान भी आवश्यक है। सभी अच्छे स्कूलों में प्रायः प्रत्येक माह पी0टी0एम0 का आयोजन किया जाता है, जिसमें अभिभावकों को आमंत्रित किया जाता है और उनमें आपके बच्चों की प्रगति एवं कमियों के बारे में बताया जाता है। इसमें भाग लेना अति आवश्यक है बहुत सारे अभिभावकगण इसके महत्व को नहीं समझते हैं और टाल जाते हैं ऐसे में आपको कैसे यह माना जाएगा कि आप अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए जागरूक हैं। सर्वप्रथम तो हमें ये सोचना है कि वह कैसे अच्छा नागरिक बने। कोई जरूरी नहीं कि वो डाक्टर, इंजिनियर, आई.ए.एस., आई.पी. एस., या कोई अन्य बड़ा पदाधिकारी बनें अगर अच्छा नागरिक बनेगा तो अपना, अपने घर, माँ-बाप, सामाज्य और देश के हित में अधिक बनेगा और अच्छा नागरिक बनकर ही किसी पद को प्राप्त होने पर अच्छा काम कर सकेगा। बहुत सारे ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं जो अपनी प्रतिभा के बल पर उक्त सभी पदों पर चले गए, मगर अच्छा नागरिक नहीं हो पाने के कारण देश और समाज के लिए कलंक भी बन गये और बहुत सारे ऐसे उदाहरण भी हैं, जो कोई पद नहीं प्राप्त कर पाये मगर अच्छा नागरिक बने तो अपने सीमित साधनों में ही अपने माता-पिता एवं समाज की सेवा करते हुए आदर्श बने रहे। इसलिए पहले अच्छा नागरिक बनना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। इन सभी के लिए अभिभावकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। बिना उनके सार्थक सहयोग के केवल स्कूल ही चाहकर कुछ भी नहीं कर सकता है। पहले के स्कूल आजकल की तुलना में सर्वसाधन सम्पन्न नहीं होते हुए भी आज से बेहतर थे। इसका कारण आज की तुलना समाज में आए नैतिक मूल्यों का ह्रास भी है। कम्प्यूटर और इंटरनेट से पढ़ाई में सुविधाएं बढ़ी। मगर भटकाव के भी पूरे इंतजाम इनमें है। इसलिए आपका बच्चा इनमें से किन विधाओं से रुचिग्रस्त हो रहा है इसका ध्यान आपको रखना है। स्कूल सीखने की जगह है, व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण की जगह है। हर बच्चा आई.आई.टी., डॉक्टर, आई.ए.एस. आदि ही बने ऐसा कभी संभव नहीं है और न था। कुछ अच्छे वकील, साहित्यकार, व्यवसायी भी बन सकते हैं और अपने कार्यों से प्रसन्न एवं लोकप्रिय हो सकते हैं। अधिकतर ऐसा पाया जाता है कि अभिभावकगण बच्चों पर अपनी अभिलाषायें थोपते हैं जबकि बच्चों का रुझान किसी और दिशा में होता है इसलिए यह भी अति आवश्यक है कि कोई चीज बच्चे पर थोपी नहीं जाय। उसके लिए उनकी अभिरुचि के अनुसार ही उन्हें आगे बढ़ने में मदद किया जाय अन्यथा बच्चे भी अप्रिय विषयों को पाकर कुंठा के शिकार हो जाते हैं और दुविधा में अपनी स्वाभाविक प्रतिभा खो बैठते हैं और जिदंगीभर अपने को एवं माँ-बाप को कोशते रहते हैं। बहुत बार ऐसा भी देखा गया है कि अभिभावकगण बच्चों को खेलने नहीं देते, उन समयों को भी वे उनकी पढ़ाई में लगाये रहते हैं, यह भी ठीक नहीं, खेल भी पढ़ाई की तरह ही आवश्यक है। बच्चे के सर्वांगीण विकास के बारे में सोचना चाहिए। खेल के साथ नृत्य, गायन, नाटक, पेंटिंग आदि में भी भाग लेना जरूरी है। उन्हें स्टेज पर जाकर लोगों के सामने बोलने, कुछ करने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है संकोच खत्म होता है और निडर व्यक्तित्व का निर्माण होता है। ऐसा पाया जाता है कि सबकुछ जानते हुए भी साक्षात्कार में बच्चे नर्वस हो जाते हैं क्योंकि उन्हें कुछ बोलने या प्रदर्शन का मौका नहीं मिला होता है। यूनान के प्रसिद्ध दार्शनिक ने तो यहाँ तक कहा है कि जीवन के पहले पंद्रह वर्षों में केवल खेल की ही शिक्षा दी जानी चाहिए।

गार्जियन एवं स्कूल सबको बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान रखने की जरूरत है, अन्यथा सतर्कता गयी और दुर्घटना हुई, हो ही जायेगा। अब वह पहले वाला समय नहीं है, अब तो दुनिया काफी बदल गयी है। अब तो पिटाई की कौन कहे, बच्चों को जोर से डांटना भी नहीं है। वैसे मैं उन्हें प्यार से ही रास्ते पर लाना है उन्हें भविष्य के प्रति, हमेशा सचेत रहने के सुझाव एवं उदाहरण से प्रेरित करने की जरूरत है ना कि प्रताड़ित करके। काम बहुत मुश्किल नहीं है। केवल बच्चों को सतर्कता पूर्वक अवलोकन में रखने की जरूरत है। आज के समय में जब न्यूक्लियर फैमिली का कांसेप्ट है वैसे में माता पिता को जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। पूर्व में जब संयुक्त परिवार होते थे तो एक सामूहिक जिम्मेदारी थी इसलिए आसानी थी। मगर वह समय चला गया, माता पिता के जरा सी चूक से चिड़िया हाथ से उड़ जायेगी। बिता हुआ बहुमूल्य समय लौट कर नहीं आयेगा और बच्चे के साथ आपका भविष्य भी कष्टमय जो जायेगा। इसलिए 17-18 वर्ष तक बच्चे को अच्छी दिशा में ले जाने का प्रयत्न अवश्य करना चाहिए। इसके बाद आगे भी वे उसी रास्ते चलेगा जो नीव इस दौरान रखी जायेगी। 18 वर्ष की उम्र में अब बच्चों को अपना बुरा भला समझने की समझ आ जाती है। अब तक की बनी नींव पर ही उसके आगे की इमारत बनेगी। अगर तब तक उनको सही रास्ते गाइड नहीं कर सके तो आपका और आपके बच्चे का दोनों का भविष्य कष्टमय हो जायेगा। जो संभवतः कोई नहीं चाहता। इसलिए सतर्कता एवं जागरुकता आवश्यक है। हरेक आदमी का अरमान होता है कि मेरा बच्चा अच्छा बने मगर उसके लिए आपको आवश्यक दायित्व का निर्वाह भी करना होगा यह कोई ऐसी चीज नहीं जो किसी दुकान से खरीदकर किसी को दी जा सके। अनावश्यक लाड़-प्यार दुलार एवं उनकी मुँहमांगी अनावश्यक वस्तुओं के आग्रह को भी नकारना होगा। यह कोई कठिन कार्य नहीं है। आवश्यकता है जागरुक रहते हुए उनका लालन पालन करना और उनकी गतिविधियों के प्रति सचेत रहने की, गलतियों पर शाबासी नहीं समझाने एवं आवश्यक होने पर कड़ा रुख अख्तियार करने की। श्री इंडियट्स फिल्म में आमिर खान ने इस विषय को काफी विस्तार एवं रोचक ढंग से दर्शाया है कि बच्चों पर अभिभावकों द्वारा उनकी नैसर्गिक प्रतिभा के विरुद्ध कोई अन्य विषय थोपने का क्या नतीजा होता है। किसी उदाहरण से यह सत्य स्थापित नहीं किया जा सकता कि कोई भी चीज बच्चों पर थोपना श्रेयस्कर होगा। हमें इन बातों पर गौर करना होगा। समय रहते चेतना ही बुद्धिमानी है। बच्चों को उनके स्वाभाविक सम्मान की दिशा में ही आगे बढ़ने की प्रेरणा और प्रोत्साहन देना चाहिए। तभी वे अपनी नैसर्गिक प्रतिभा का प्रदर्शन कर कोई उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। बर्ट्रैंड रसेल, जो कि एक नोबेल पुरस्कार विजेता भी थे उनका भी कहना है कि माता-पिता और शिक्षक को बाल मनोविज्ञान का समुचित ज्ञान होना आवश्यक है और यह तभी होगा जब आप हमेशा अपने बच्चों के प्रति जागरुक रहेंगे। वे माता-पिता एवं शिक्षक के गोल्डलन त्रिकोण की ही बात कहते हैं।

**Late Mr. Shakti Nath Jha**  
Founder Secretary



## From The Desk of **The Principal**

We warmly welcome you to be part of the Pole Star family.

Pole Star, given the true meaning of its name, has been shining in the heart of Mithilanchal since 2003, to guide its children in their life journey. It believes that learning is a joyful experience that enables learners to find the meaning and significance of life. Pole Star helps to discover the unfathomed ocean of knowledge and nurture the latent and creative potential among the learners.

We believe that education is not just a means of making one a degree holder but also the gateway to the art of living, which enables pupils to discover the principles of life and correctly evaluate the experience to know the difference between the achievable and unachievable.

A school is the backbone of an education system. It is the only institution, second to family, which is saddled with the responsibilities of socializing the children and youth. It is the teacher who has to shoulder the responsibility of a parent as soon as children enter school. Sympathetic and skilled teachers encourage the development of socially desirable behaviour and give them a sense of self-esteem and a feeling of security. A school is an orchard where human beings are planted. Like gardeners, teachers nurture small plants to turn them into huge trees.

Pole Star, a well-organized school, undertakes social activities and projects. Students, self-governed under proper guidance, community project, and a well-planned house system are some of the features for socializing the pre-adolescent and adolescent pupils.

Every student is given a chance to take an active part in co-curricular activities, to train in personal responsibilities, who can adjust to any kind of life situation, and lead a happy life. The school knows that it is a socially developed person who abides by rules that govern social conduct, who appreciate the right of others and who realizes his or her responsibilities as a member of a social group and who appreciates the value of good government, the importance of home relationship and value of cooperative living.

It would not be an exaggeration if we say that our school promises to guide children in the life voyage as a Pole Star.

**Dr. Bharti Jha**  
Principal



## From The Desk of **The Hony' Academic Advisor**

Since the remotest past the Polestar has been giving correct directions to the travellers. The ancient mariners have been taking reference from the Polestar in course of their navigation. The students passing out from the Pole Star School will find the fundamental principles of life learnt and practiced here as valuable assets in course of navigation of their future life. I wish our Pole Star School proves worthy of its name.

With Best Wishes



**Late Mr. M.N. Jha**

Retd. Teacher, Sainik School,  
Tilaiya

## From The Desk of **The Chairman**

'Education is there to find out what we are for in this world.' - Dr. Radhakrishnan

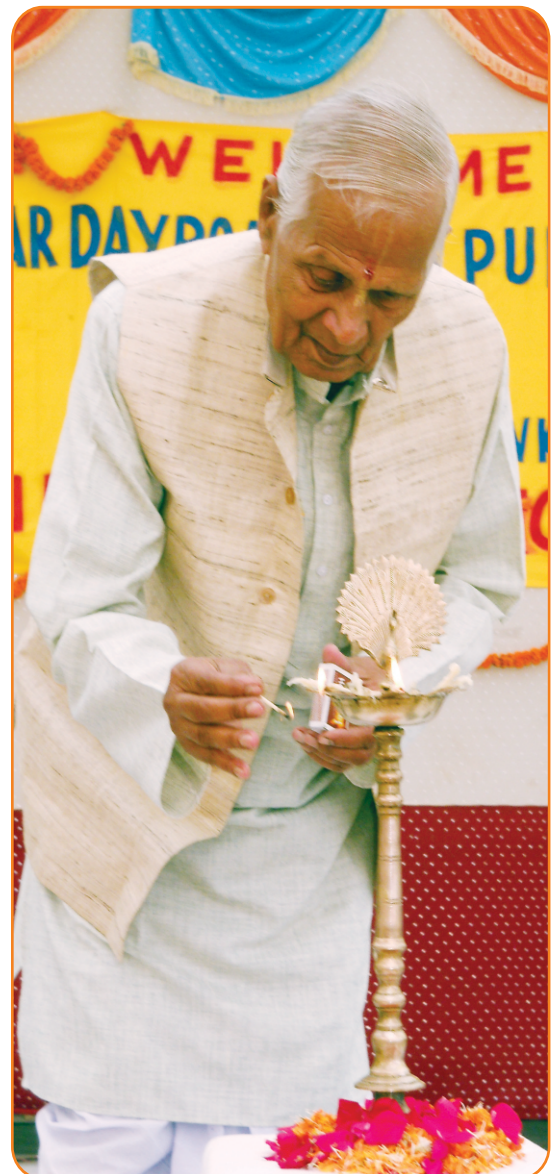
At Pole Star, we are trying our best to fulfil this thought with unrestrained love, affection, devotion, and dedication to our mission of moulding the hearts and minds of the students in a positive and constructive direction. It is a Herculean task and it cannot be attained without healthy and wholehearted cooperation and of course encouragement from you all.

Our school gives top priority to punctuality, discipline, regularity, and upholding moral values. You are always welcome with valuable suggestions and innovative ideas for the prosperous development of our institution.

We firmly believe that the reflection of educational performance and behavioural attitude among children is the reflection of the institution as well as the home.

It is a challenge for the institution and parents to produce good and healthy citizens of the country. So, accept the challenge with your full potential and experiences for the accomplishment of the future venture.

**Late Mr. Ramphal Yadav**  
Founder Chairman







## From The Desk of **The Director**

Pole Star has become a centre of excellence in the field of education within a short span of its existence. Our school is an innovative leader in giving stress-free education to its students.

The school prepares the students to meet the challenges of life and moulds them into civilized and better citizens. We help the students to discover their talents and hone them to the optimum. The students are exposed to the right learning environment under the guidance of qualified and dynamic teachers. We welcome your child to our institution.

We promise to provide all the facilities and opportunities possible to make your child successful in society. We believe that all children should have the opportunity to experience the joy of discovery and develop a love of learning. We do not believe in creating robots that demonstrate rote memory of course content.

At last, I express my loving gratitude to all my teachers who have worked hard to make my endeavour successful. I especially express my sincere thanks to all our well-wishers and worthy guardians for their cooperation and hope even in the future they will keep boosting our morale by extending their full support for the upliftment of the institution.

**Mr. Kailash Bhardwaj**  
Director



## Our Objective

- To develop ethical values like gratefulness, obedience, self-reliance, good moral values, and modesty among children.
- To promote courage, patience, valour, and fearlessness among children to make them capable of overcoming the obstacles in life.
- To improve the memory, and physical strength of the students through time-tested yogic techniques such as asana, pranayama, and meditation thereby ensuring their overall development.

## Our Mission

- To achieve academic excellence.
- To achieve excellence in co-curricular and extra-curricular activities by inculcating sportsmanship and a sense of competition through various activities in and outside the school. By creating an awareness of the personal well-being of every individual.
- To develop in each child, a sense of responsibility, and accountability and inculcate qualities like sharing and caring, respect for the law, environment, society, and oneself.
- To produce highly motivated students who would become world-class leaders.
- To inculcate good work ethics among students so that they have a professional approach to work in the future.
- To focus on quality management and strive for continuous improvement in all areas of life.

## Our Vision

- The vision of our school is to be acknowledged as an institute that provides quality education.
- To provide education with modern teaching techniques but with traditional roots.
- To inculcate Indian values, culture, and opportunities for the holistic development of every child so that he or she can face the challenges of an ever-changing world.

## Eligibility for Admission

A student seeking admission to any class will be eligible for admission to that class only if he :

- Has been studying in a school recognized by or affiliated to this board or any other recognized Board of Secondary Education in India.
- Has passed the qualifying or equivalent examination making him eligible for admission to that class.
- Satisfies the requirements of age limits (minimum and maximum) as determined by the CBSE /State Board.
- 25% of seats are reserved for EWS candidates (economically weaker section), especially/physically challenged, SC/ST candidates.

## Requirements

- Documents supporting his/her having passed the qualifying or equivalent examination.
- Date of birth certificate issued by the Registrar of Births and Deaths wherever existing as proof of date of birth.
- Caste certificate (if claimed), income certificate/BPL card, and residential proof in case of EWS candidates.



## Criteria for Admission

- (i) A person who has been studying in an institution, which is not recognised by this Board or by any other recognised Board of Secondary Education or by the State/ U.T. Government of the concerned place, shall not be admitted to any class based on the certificate(s) of such unrecognised institution attended by him/her earlier.
- (ii) Qualifying examination for the purposes of this byelaws means an examination, the passing of which makes a student eligible for admission to a particular class; and equivalent examination means an examination conducted by any recognised Board of Secondary Education/Indian University or an institution recognised by or affiliated to such Board/ University and is recognised by this Board equivalent to the corresponding examination conducted by this Board or conducted by a school affiliated to/recognised by this Board.
- (iii) No student migrating from a school in a foreign country, other than the school affiliated to this Board, shall be eligible for admission unless an eligibility certificate in respect of such a student has been obtained from this Board. For obtaining an eligibility certificate from the Board, the principal of the school to which admission is being sought will submit to the Board full details of the case and relevant documents with his/her remarks/recommendations. The eligibility certificate will be issued by the Board only after the Board is satisfied that the course of study undergone and examination passed is equivalent to the corresponding class of this Board.
- (iv) No person who is under the sentence of rustication or is expelled from any Board/University/ School or is debarred from appearing in the examination for whatever reason by any Board/ University shall be admitted to any class in a school affiliated to this Board.
- (v) No student shall be admitted or promoted to any subsequent higher class in any school unless he has completed the regular course of study of the class to which he was admitted at the beginning of the academic session and has passed the examination, at the end of the concerned academic session, qualifying him/her for promotion to the next higher class.
- (vi) No student shall be admitted in Class IX and above in a school affiliated with the Board after the 31st day of August of the year except with prior permission of the chairman, CBSE/competent authority as may have been defined in the State/Union Territory Education Acts.
- (vii) The application for permission to grant admission after the 31st of August shall be routed through the principal of the school specifying the unavoidable reasons. The candidate shall complete the required percentage of attendance (75%) for Class IX, X, XI and XII as per CBSE norms.

## Requirements for Admission

- (i) Admissions upto VIII (i.e. Class VIII and below) shall be regulated by the rules, regulations, orders of the State Governments/CBSE and the school's own rules.
- (ii) Admission to Class IX shall be open only to such students who has passed the class VIII examination from an institution affiliated to this Board or any recognised Board, by the Education Department of the Government of the State/U.T. in which such an institution is located.
- (iii) Admission to Class X: As the syllabus prescribed at the Secondary level is of two years integrated course, no admission shall be taken in Class X directly.
- (iv) Admission to Class XI (Science, Commerce and Humanities) shall be open to such students who have:
  - (a) Obtained minimum grade 'C' in at least five subjects (excluding the 6th additional subject) under scholastic area 'A' as per the scheme of studies and a qualifying certificate/grade sheet cum certificate of performance at the Secondary School (Class X) Examination conducted by this Board/School affiliated to this Board.



- (b) Have passed an equivalent examination conducted by any other recognized Board of Secondary Education/Indian University and recognized by this Board as equivalent to its Secondary School Examination.
- (v) Admission to Class XII: As the syllabus prescribed at the Senior level is of two years integrated course, no admission shall be taken in class XII directly.
- (vi) Admission in KG (3+, KG I, means Preschool and 4+, Preprimary means KG II). No formal test will be taken.
- (vii) Admission under E.W.S quota: 25% of seats are reserved for E.W.S. candidates in class I for children having a B.P.L. card and must be residing within 3 k.m. from the school and able to provide valid proof of documents.

## Examination

### Classes Pre-Primary and Pre School

Students of Nursery, KG I and KG II will not have any formal examination. However, their performance will be regularly assessed and parents will be apprised of it in PTM (parents-teacher meeting). At the end of the session, students will have a terminal examination.

### Class I to XII

Two terminal exams will be conducted. Terminal examination, namely: October and March. Each term shall also have two unit tests/formative proceeding the terminal examination before mid, pre-mid, and after mid, post-mid. The performance of the child will be discussed with the parents at the parent-teacher meeting (PTM). The schedule of examination and PTM are given in the class syllabus.

## Annual Assessment and Grading System

CBSE rules are implemented in their true form, which has been described in the syllabus. The test includes class tests, oral tests, assignments, activities, project work and notebook submissions. The annual examination will cover the syllabus class wise; for class VI, 15% from 1st term, for class VII, 20% from 1st term, for class VIII, 30% from 1st term, for IX to XII 100% syllabus. (70% in the first term, as this term, has maximum days to teach).

## Co-scholastic Areas and Activities

### House wise (under four houses)

**Club (optional) :** Saturdays and Thursdays (last two periods).

- a) Club (Academics): Science Club, Maths Club, Social Studies Club, Language Club, English Club, Hindi/Sanskrit, Urdu Club and Computer Club (on Thursdays).
- b) Club: (Performing Arts): Martial Arts, Craft/Drawing, Music/Dance and Drama, Sports (on Saturdays).
- c) Stage Exposure: For confidence building every day, students participate in news reading, delivery of speech, self-introduction, etc.

Note : (1) Class Test, Monthly Test, Surprise Quiz Competition.

(2) House Competition on Saturdays.

Part 1 : is scholastic, (8-point grading system: A1, A2, B1, B2, C1, C2, D) which will cover the main subjects.

Part 2 : Co-scholastic areas/activities, (3-point grading system: A, B, C and 5 points for IX and X), will include generic criteria; regularity, sincere participation, output, and teamwork.

### Areas of Assessment:

- a) Work Education: (skill-based education).
- b) Art Education: (visual and performing arts).
- c) Health/Physical Education: (Sports/Martial Arts/Yoga/NCC etc.).

**Literary and Creative Skills:** Debate, Declamation, Creative Writing, Poster Making, Slogan Writing (Poem Writing/ Story Writing), Poem Recitation, Drawing, Spot Painting, etc.



**Scientific Skills:** Science Club Projects, Maths Club, Science Quiz, Science Exhibition, Olympiads, etc.

**Aesthetic Skills:** Music (vocal and instrumental), Dance and Drama, Craft, Folk Art etc.

**Health and Physical Education:** Sports, Martial Arts, Yoga, etc.

**Grading System:**

### Eight-point Grading Scale (Scholastic)

Marks range	Grade	Grade Point	Three point scale for Co-Scholastic area & activities
91-100	A1	10.0	A Outstanding
81-90	A2	09.0	B Very Good
71-80	B1	08.0	C Fair
61-70	B2	07.0	
51-60	C1	06.0	
41-50	C2	05.0	
33-40	D	04.0	
	E	Need improvement	

32 and below E (Needs improvement, for class IX E, means failed).

Grade of discipline, term wise at a 3-point scale upto VIII, 5 points, IX onwards

#### Parameters of Grading:

- |                                     |                                       |
|-------------------------------------|---------------------------------------|
| ➤ Discipline                        | ➤ Attendance                          |
| ➤ Sincerity                         | ➤ Behaviour                           |
| ➤ Values                            | ➤ Tidiness                            |
| ➤ Respect for Rules and Regulations | ➤ Attitude toward society and nation. |

(Note : 90% attendance is expected and 75% attendance (minimum) is required for appearing in an examination. A list of CCA, holidays and guidelines for parents has been enclosed in the syllabus.

## Scheme of Studies

**The scheme of studies of different sections:**

#### Nursery

(i) Recognition (ii) Writing (iii) Spelling (iv) Counting (v) Dance (vi) Music (vii) Art  
(viii) Craft

#### Classes I to V

(i) English (ii) Hindi (iii) Maths (iv) Environmental Studies (v) Drawing (vi) S.U.P.W.  
(vii) Physical Education/Sports (viii) Computers (ix) Science  
(x) Dance/ Music (xi) Art and Craft (xii) Martial Arts/ Drama

#### Classes VI to VIII and IX to X

(i) English (ii) Hindi (iii) Maths (iv) Social Science (v) Sanskrit/Urdu  
(vi) Computer (vii) Drawing (viii) S.U.P.W. (ix) Science  
(x) Dance/ Music (xi) Art and Craft (xii) Drama/Martial Arts (xiii) Physical Education/  
Sports

#### Classes XI to XII

**(1) PCM :** (i) Physics (ii) Chemistry (iii) Maths (iv) English  
(v) Computer Science (vi) Music (vii) Business Studies (viii) Hindi  
(ix) Physical Education/Sports

**2) PCB :** (i) Physics (ii) Chemistry (iii) Biology (iv) English  
(v) Computer Science (vi) Maths (vii) Music

**3) Commerce:** (i) Accountancy (ii) Business Studies (iii) Economics (iv) Maths  
(v) English (vi) Computer (vii) Hindi (viii) Music

**4) Humanities:**  
(i) Hindi (ii) Maths (iii) English (iv) Computers (v) History  
(vi) Political (vii) Science (viii) Economics (ix) Music



# Scheme of Education

## Nursery & Primary Level

This section gives the basic foundation to your child from the age of 3+ and 4+. We consider these to be the most formative years in the education of a child. A Montessori classroom is a joy to watch. There appears to be a spirit of respect, love and cooperation among the children, our curriculum centres around practical life, sensorial experiences, languages and subjects such as Mathematics, Geography, Science, Music, Dance and Drama, Sports and Art and Craft.

## Primary Level

By the time a child completes Montessori classes he/she would have received sound preparation for entering primary school.

## English

**Handwriting and Spelling:** What is written must be legible, otherwise it has no meaning. We, therefore, aim to develop the child's fine motor skills with various interesting activities.

**Reading and Oral Work:** Children should be encouraged to read in school and at home. Oral work encourages the child to speak in front of others and take part in discussions etc.

## Written Assignments

**(i) Creative Writing:** This is one area where the initial draft, spelling and correct English are of secondary importance. Our main aim is to help the child express his/her thoughts and write expressively.

**(ii) Grammar:** All the different concepts in grammar will be covered to enable the children to have a good command over oral and written expression.

**Hindi:** The study of Hindi will be conducted on the same guidelines as English.

**Mathematics** helps the child to cultivate and develop thinking and reasoning skills. We will be using symmetrically graded textbooks, mental maths, and worksheets.

**Art and Craft:** We will be covering concepts of colour, texture, shape line, scale and proportion.

**Basic Techniques:** Drawing, Painting, Printmaking, Paper craft, Collage Making, Model Making with Clay and Plasticine, etc. will be used.

**Environmental Studies and Science:** To make science and social studies interesting we will have an environmental approach and use projects and field trips, etc.

**Computers:** We aim to let students use computers quite naturally from an early age with special programme package of games as well as language, maths and science.

**Physical Education:** The objective of physical education is to teach students body awareness, coordination and orientation to different games, and overall exercises of the body through sports such as basketball, kho kho, yoga, drill, etc.

**Middle Section and Secondary Level:** This section follows the same guidelines as the primary section but in the case of environmental studies we follow two separate subjects – social studies and science and technology. In literature, we give more emphasis on creative writing and communication skills.

**Senior Secondary Level:** Science (PCM) and (PCB), commerce with maths, and without maths and humanities. Our teaching in senior secondary is coaching based and career-oriented.

## Promotions

- (i) Promotion will be granted based on the cumulative assessment of the pupil's performance throughout the year.
- (ii) For promotion to the next higher class, a student must pass all subjects with minimum pass marks of 50%.
- (iii) Students absenting themselves from any examination or any test, for any reason, will not be allowed to sit for re-examination. The case may be considered on, its merit for promotion. However, the student will not be eligible for rank or any award.



CO-SCHOLASTIC ACTIVITIES UNDER CCA	
<b>April</b>	Investiture Ceremony Poem Recitation (Junior Group) House Board Decoration Competition (1/1 to X) (House wise) (Science Exhibition: VI to XII)
<b>May</b>	Number Games (Junior Group) Memory Games (Junior Group)/ Poem Recitation (I to VI) Word Arrangement Game (Junior Group) Hindi Spelling Bee (II to VI) Debate (VII to XII, English)
<b>June</b>	English Story Telling (V to VII) Inter House debate (VIII to XII) Wall (Magazine) Decoration (III to IV)
<b>July</b>	Hindi Story Telling (I to V), Poem Recitation (VII to X) English Creative Writing/Debate (V to VIII) English Extempore (IX to XII) Hindi Creative Writing (I to IV) Rakhi Making (Class III onward)
<b>August</b>	Drawing and Painting (Independence Day) (I to V) Poster and Slogan Writing (VI to VIII) Debate Hindi (IX to X) Maths League (IX to XII)
<b>September</b>	Maths League (IX to XII) Science League (IX to X) Science League (IX to X) English Spelling Bee/Science. Exhibition (VI to VIII)
<b>October</b>	Hindi (Anthakshari/Kavi Darbar) (VIII to XII) GK Quiz (IV to VIII) and Rangoli Making Competition (Theme: Deepavali, Bhaiya Dooj, Chhath)
<b>November</b>	Social Studies League/Spot Painting (VI to VIII) Social Studies League and Art and Craft Exhibition (IX and X) English Spelling Bee (II to V)
<b>December</b>	Essay Writing Competition (V to VIII) Seminar (IX and X) Hindi Story Telling/Spelling Bee (I to IV)

## List of Holidays

Ramnavmi	Moharram
Baisakhi / Jur Sital / Ambedkar Jayanti	Gandhi Jayanti
Eid	Durga Puja
Summer Vacation (for Students)	Diwali / Bhaiya Dooj / Chhath
Summer Vacation (for Teachers)	Christmas Day
Bakrid	New Year Day
Raksha Bandhan	Makar Sankranti
Krishna Janmashtami	Saraswati Pooja
Ganesh Chaturthi	Shiv Ratri
Vishwakarma Puja	Holi

## Annual Functions and Celebrations

Independence Day
Teacher's Day
Foundation Day of School/ Children's Day/Sport Day
Republic Day
Saraswati Pooja

## General Guidelines for Parents/Guardians

We welcome you to the Pole Star Family. Thank you for entrusting us with the responsibility of taking care of and blossoming your precious child. To achieve this, we solicit your kind cooperation at every step.

### 1. At the Time of Joining:

- (i) Bag, books and all other belongings of the child must be labelled. Books should be covered and the child's name should be written on them.
- (ii) School Diary should be seen by parents and sent back to the school in the bag every day with a note, if any, duly signed. Personal data on the first page must be accurately filled in.

### 2. Uniform: Students must wear the uniform that has been prescribed by the school.

**Summer:** Mondays, Tuesdays and Wednesdays: Blue and sky-colored check shirt, blue pants for boys. Blue skirt and blue shorts, upto knee length, for girls, black shoes, blue socks, school tie and school belt.

**Thursdays and Saturdays:** House T-shirt, white pants, (white skirt and white shorts, upto knee length for girls), white shoes, white socks and school belt. **Fridays:** White shirt, white pants, white shoes, socks, school tie and school belt. **Note:** For girls, socks upto thigh length.

**Winter:** Same as summer, along with a school blazer and navy blue leggings for girls (Mondays, Tuesdays and Wednesdays) and white leggings (Thursdays, Fridays, and Saturdays). Only a navy blue cap or scarf must be used.

**(Note:** Shirt and pants should be formal. No low-waist pants and designer clothes, etc. are allowed).



### 3. Transport:

- (i) Please ensure that your child is ready ten minutes before the scheduled time at the pick-up point.
- (ii) The time to drop the child at the scheduled stop, can vary from 5 to 10 minutes from the fixed scheduled time.
- (iii) Pick and drop facility cannot be extended to the point where lanes are narrow.
- (iv) Please do not give verbal information to the driver or maids for an address change. In case of an address change, an application must be submitted to the office.
- (v) Once the transport facility is availed, it must continue for the entire session.

### 4. Fees:

- (i) School fee is collected in advance, or on monthly basis, before the 10th of the month, after which Rs.200/- is payable as a late payment charge (twice, two months tuition fee will be taken together. In the month of May, the tuition fee for May and June, in the month of February, tuition fee of February and March will be collected together.
- (ii) In case of yearly payment, one month's fee will be waived.

### 5. General Instructions:

- (i) Motivate your child for using notebook for Class/Home Work. No rough notebook is allowed. Your ward must regularly bring proper lunch, water bottle and school diary.
- (ii) Children must not wear valuables like gold, jewellery, watch etc.
- (iii) Kindly trim your child's hair and nails regularly. Girls must use a white band or ribbon, if their hair is long.
- (iv) Send your ward in proper uniform with books and notebooks according to the time table.
- (v) Children who are not using transport facilities must reach the school on time.
- (vi) Children must be sent to school regularly. Avoid your child's absence without prior information or a fine will be charged.
- (vii) Leave can be granted with prior information on written application duly signed by parents or should be mentioned in the school diary but not during the Unit/Class Test or on any school function day.
- (viii) No U.T./C.T. will be conducted before or before the scheduled time if the child is absent or on leave.
- (ix) Children will not be handed over to parents before school time is over. For it, prior intimation in writing must reach the school office.

### 6. Meeting:

- (i) After each U.T and Term-end examination, a PTM will be held. The mother's attendance along with the father is compulsory, especially for junior classes. For seniors, either mother or father or a guardian must be present but the mother's presence along with the father will be appreciated. Meetings with subject teachers or class teachers may be held from 10 a.m to 12 noon, every second Saturday, which is our monthly PTM.
- (ii) Parents/guardians can meet the principal from 9 30 a.m. to 10 00 a.m. and from 2 30 p.m. to 3.00 p.m. Note: In case of an emergency, you are free to call the Director of the school from 10 a.m. to 6 p.m. on the mobile no. 9204789880).

### 7. For Boarders (Girls and Boys):

- (i) Once the hostel facility is availed, it must continue for the session.
- (ii) Please do not request extra leave for your child. Leaves are granted only on scheduled leave.
- (iii) Parents must not bring eatables for their child in the hostel.
- (iv) Please avoid frequent meetings with your child. Parents are allowed to meet with their child on Sunday (only from 11am to 4pm) and every second Saturday.

### 8. For Enquiry:

In case of a problem, you are free to call:

- |  |                                 |
|--|---------------------------------|
| 1) Accounts/ Reception/Enquiry: 7541810409 | 2) Office/Store: 7541810410     |
| 3) Transport: 7541810401                   | 4) Examination Dept: 7541810417 |
| 5) Academic Dept: 7541810416               | 6) Hostel Warden: 7541810418    |

Though leave is granted only with a prior, written application but in the case of an emergency you may inform the school at these two numbers: 7541810416 and 7541810417

## Special Features

### 1. Scholarships:

- (i) Monthly tuition fee is waived off the form of a scholarship for a year for class toppers. The school provides it every year.
- (ii) Late Mr. S.N. Jha Scholarship for two years is provided to the meritorious and deserving child. (for classes IX and X).
- (iii) Late Mr. M.N. Jha Scholarship is provided for two years to the meritorious and deserving child. (for XI and XII).

### 2. National Test (Optional):

National Talent Test and Olympiads are organised yearly (certificates/gifts and scholarships are provided to students).

### 3. Mementoes, Certificates/Medals for:

- (i) Academics (for class toppers).
- (ii) Punctuality, attendance and sincerity.
- (iii) Sports and games (first rank holder).
- (iv) Co-curricular activities: Toppers of inter-house competition (held during a session) for Debate, Declamation, Speech, Creative Writing, Painting, Dancing, Drama, Singing etc.
- (v) Best Boy/Best Girl of the School which depends on the performance of the students based on academic excellence, discipline, devotion to the school and fluency in English.
- (vi) Shield for Winner House (House coordinator, House in-charge, all teachers and House Captain).

### 4. There are five Clubs in the school (from class V onward):

- (i) Science Club
- (ii) Maths Club
- (iii) English Club
- (iv) Hindi Club
- (v) Computer Science Club
- (vi) Poem/Article Writing, Preparing Papers for Seminars, Project under Science Club, Maths Club, Social Studies Club and Eco Club.

**5. House Activity:** A well-planned House System, under the proper guidance of teachers takes an active part in co-curricular activities so that students are trained in personal responsibilities.

There are Four Houses under a House Master/teacher in charge of the house and one House Captain. Each house has four groups - Tiny tots, sub-junior, junior and senior. Weekly House meetings and monthly House competitions are held.

**6. Annual School Magazine:** To help children express their views and give wings to their imagination students are given a chance to engage in publishing the school magazine under the able guidance of the principal, the editor of the magazine and student editors.

**7. Cultural Activities:** As part of cultural activities students participate in Dance Classes, Music Classes, Drama, and Singing competitions under the proper guidance of skilled teachers.

**8. Remedial classes are held for weaker students.**

**9. Extra classes are held for moral teaching and awareness.**

**10. The school organises excursions and outings for students every year.**

**11. Students get a chance to take part in Inter-school Competitions.**





## Salients Features

Pole Star offers a secure and green environment with outstanding facilities that are conducive to enriching learning experiences. The school promotes the development of social skills, a spirit of cooperation, and a sense of responsibility among the students.

## Academics

We take great care in ensuring that every student is placed in a spacious and well-ventilated classroom. The medium of instruction is English, which is taught as the first language and is compulsory for all classes. We currently have 52 classrooms. Classrooms are equipped with new-age digital education solutions by Extramarks. Practical experience and learning through activity form an important part of life at Pole Star. We have a highly productive learning support team that provides advice and support to students from KG to class XII.

## Faculty

Pole Star boasts of well-qualified, competent and experienced teachers who are encouraged to upgrade their skills and update their knowledge through regular orientation programmes to improve the academic standards of the school.

## Remedial Classes

Remedial classes offer additional opportunities for students who are lagging in academics. Depending on their pace of learning, they are categorized into groups. Concerned subject teachers guide the students.

## House and Club Activities

There are Four Houses that help students to inculcate a sense of responsibility, competition and healthy leadership. The house activities include Karate, Yoga, Music, Choir, Dance and Drama, Arts and craft, Gardening, Sports, Skating, Workshops, Study trips related to lessons taught in class.

- (i) Prem Chand House (Blue)
- (iii) Raman House (Green)

- (ii) Nirala House (Red)
- (iv) Vivekananda House (Yellow)





## Science Laboratories



We have scientifically designed science laboratories.



### Physics Lab

The Physics Lab has all the necessary apparatus and helps students to understand the application of physics.

### Chemistry Lab

A well-equipped Chemistry Lab has all the apparatus and chemicals to conduct the experiments related to the syllabus.



### Biology Lab

The Biology Lab is well-equipped with apparatus and specimens that help the students discover life science's beauty.





## Computer Science Lab

We have a well-equipped Computer Lab with a multimedia system. Computer education for every class plays an important role in enhancing the curriculum.

The audio visuals are introduced in classrooms to enhance teaching using interactive demonstrations and make learning an experience.



## Social Studies Lab

Social Science Lab has varieties of models and samples, i.e. Globe, Solar System, Rocks, and Minerals. Students come here to learn many more things by conducting experiments.



## Activities Club

Every Saturday the Language Club organises writing competitions on topical issues for students from --- to --- both in English and Hindi. Similarly, debates and elocution contests are held by the Language Club.



## Library



The school has a rich library with a wide collection of books that includes world book series and the Encyclopedia. Besides magazines, selected books on all subjects are available.



## Games and Sports



There are highly-motivated physical education teachers and coaches for games and sports. For junior students, we have various sources of a recreation like a see-saw, and merry-go-round. Senior students have extensive playfields for Cricket, Football, Hockey, Volleyball, Basketball, Kho Kho, Badminton, Lawn Tennis and Athletics.

## Faculty

Pole Star School boasts of well qualified, competent and experience teachers who are encouraged to upgrade their skills and update their knowledge through regular orientation programs to improve the academic standards of the school.



## Competitions & Skill Assessment



Different competitions are held regularly. Debates, Quiz, Group Discussions, News Writing, Making Advertisements, Preparing Presentation, Biography, Story Writing, Art and Craft, Music and Dance are the activities that the school organises.



## Remedial Classes



These classes offer additional opportunities for students lagging behind in academics. Depending on their pace of learning, they are categorized into groups. concerned subject teachers guide the students who need assistance in the academic block while the rest of the students are given additional coaching in their halls of residence.

## Transport Facility

Pole Star has arranged a punctual and safe transportation facility at affordable charges for the convenience of the students.



## Hostel



There is hostel facility for both boys and girls ; seperate hostel building.



## Events at School



Science Exhibition (Senior)



Independence Day Celebration



Science Exhibition (Junior)



Paper Bag Making Activity



Prize Distribution Ceremony



Rangoli Competition



Christmas Day Celebration





# POLE STAR

Jeewach Chowk, P.O. Sapta, Madhubani, Bihar-847214

Affiliated to CBSE (New Delhi) Affiliation No. 330199

Phone : 7541810409, 06276-296200, E-mail: polestarschool@yahoo.co.in

To  
The Principal  
Dear Sir / Madam

I request your kind favour to admit my daughter/son/ward \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ in std. \_\_\_\_\_ and agree to abide  
by the rules and regulations of the school. I promise to remit tuition fee and other charges  
latest by the 10<sup>th</sup> of each month or on the date intimated by the school.

Student's  
Photo

## Registration Form

Application No :

Hosteler ☐ Day Scholar ☐

Class :

Gender : Male ☐ Female ☐

Student's Name :

Date of Birth :

Place of Birth

Aadhaar No. :

Father's Mobile No. :

E-mail:

Mother's Mobile No. :

E-mail:

Father's Name :

Mother's Name:

Signature of Father

Signature of Mother



# POLE STAR

Jeewach Chowk, P.O. Sapta, Madhubani, Bihar-847214

Affiliated to CBSE (New Delhi) Affiliation No. 330199

Phone : 7541810409, 06276-296200, E-mail : polestarschool@yahoo.co.in

Exam Date

## Admit Card

Application No :

Hosteler ☐ Day Scholar ☐

Class :

Date Of Birth :

Student's Name :

Father's Name:

Student's  
Photo



Authorised Signature





## Rules & Regulations

- Students must come to school regularly.
- Students should maintain a high standard of discipline.
- Students must be habitually clean and always neatly dressed.
- Students must join the school on the notified day at the beginning of the term.
- Immorality, insubordination, ragging, stealing, contempt of authority or keeping mobile, knife, etc. Breaking furniture is sufficient reason for the immediate expulsion of the student on disciplinary grounds.
- Absence from the school over a period of one month without prior information can lead to expulsion of the student on disciplinary grounds.
- Care must be taken of all the school property and no student should scratch on walls or desks.
- If the child is withdrawn from the school for any reason, the fee paid to the school shall not be refunded.
- One month's notice is required for the withdrawal of the student.
- Transfer Certificate (TC) on withdrawal is issued only after all the school dues are cleared.
- If a hostel or transport is used, it will have to continue for a session and the student does not his to continue, written notice in one month advance has to submitted.
- Bringing the School Diary to school is compulsory.
- Proper lunch and water bottle for day scholars and boarders are must.
- The decision of the school shall be final in case of any dispute.





# **POLE STAR**

**DAY/BOARDING PUBLIC SCHOOL**

JEEWACH CHOWK, P.O. SAPTA, MADHUBANI

PH.: 06276-296200/300, 7541810409

E-mail : [polestarschool@yahoo.co.in](mailto:polestarschool@yahoo.co.in) Website : [www.polestarschool.co.in](http://www.polestarschool.co.in)